an>

Title: Need to take action against the persons engaged in maligning the image of Members of Parliament on social media through fake e-mail-id.

श्री निहाल चन्द (गंगानगर) : माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का टाइम दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देना चाहूँगा। मैं आपके माध्यम से सरकार के संज्ञान में लाना चाहूँगा कि पिछले तीन सालों में चार बार मेरी फेक आई.डी. बनाई जा चुकी है। ये आइडीयाँ निहाल चन्द जी-मेल और निहाल चन्द एस.जी.एन.आर. 8 @ जी-मेल डॉट कॉम पर बनाई गई हैं और इन पर आपत्तिजनक तस्वीरें और आधारहीन दस्तावेज चढ़ाए गए हैं।

महोदय, यह मेरे अकेले की कहानी नहीं है। इस सदन के तकरीबन 20 प्रतिशत सदस्य ऐसे होंगे, जिनके इस प्रकार की आइडियाँ बनाई जाती हैं और उन पर आधारहीन दस्तावेज चढ़ाए जाते हैं। इस विषय से संबंधित मेरी फाइल क्राइम ब्राँच में पेंडिंग पड़ी है। आज तक उस फाइल का पता नहीं लगा है। हर चार महीने के बाद मेरी इस प्रकार की एक नई आई.डी. बना दी जाती है। इन घटनाओं से मुझे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है और मेरी छवि धूमिल की जा रही है।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से यह निवेदन है कि मेरे सार्वजनिक जीवन की बेदाग छवि को ठीक रखने के लिए, जिन्होंने यह आई.डी. बनाई है, उन पर कार्यवाही की जाए। इन आइडीयों से मेरी व मेरे परिवार की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो रहा है। मैंने माननीय गृह मंत्री जी से भी इस विषय पर चर्चा की थी। मेरी यह माँग है कि इस घटना पर सरकार कड़ी से कड़ी कार्यवाही करे।

माननीय सभापति :

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल एवं

श्री रवीन्द्र कुमार जेना को श्री निहाल चन्द द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

माननीय सभापति : डॉ. यशवंत सिंह।